उत्तर उजाला

वर्ष 47 अंक 2 नैनीताल, मंगलवार 21 नवम्बर 2023 (संवत् 2080) पृष्ठ 10 डाक पंजी. सं. यू.ए./नैनीताल/26/2021-2023 मूल्य 3.00 रु.

आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ टीम में छह भारतीय, कमान रोहित को -7

सलमान ने जारी किया भांजी की फिल्म फर्रे का दूसरा गाना-8

तापमान	आज		कल संभावित	
शहर	अधि.	न्यू.	अधि.	न्यू.
दिल्ली	27	14	26	16
लखनऊ	29	17	28	16
नैनीताल	18	08	17	08
हल्द्वानी	27	14	26	13
देहरादून	25	12	24	11
बरेली	28	15	27	14

सोना (10 ग्राम)	चांदी (प्र. किग्रा.)
61,770	76,000

रुपये की विनिमय दर	
पाउण्ड	104.04
यूरो	91.11
डालर (यूएस)	83.33
स्विस फ्रेंक	94.29
एमीरट्स-दरहम	22.69

सिलक्यारा पहुंची रोबोटिक्स मशीन

सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के प्रयास और तेज

- अंतर्राष्ट्रीय टनलिंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड भी उत्तरकाशी पहुंचे
- सुरंग के ऊपर से 89 मीटर गहराई तक करनी होगी ड्रिल
- अब छह इंच के पाइप से मजदूरों को दी जा रही खाद्य सामग्री

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए रोबोटिक्स मशीन घटनास्थल पर पहुंच गई है। वक्त बीतने के साथ खतरा भी बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी लाई जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय टनलिंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स भी आज उत्तरकाशी पहुंचे। उन्होंने यहां निरीक्षण करने के बाद कहा, हम श्रमिकों को बाहर निकालने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे साथ हिमालय भूविज्ञान के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञ हैं। हमें तुलना करने की आवश्यकता है। हमने यहां सुरंग के ऊपर जो देखा है और जो हम जानते हैं कि सुरंग के अंदर क्या हो रहा है, हम उन 41 लोगों को बचा रहे हैं और ऐसा करते समय हम किसी को भी चोट नहीं पहुंचने देंगे। यह किसी भी जटिल काम की तरह है। जहां हमें चारों ओर ऊपर से नीचे तक देखना होता है। यहां की टीम बचाव पर इतना ध्यान केंद्रित कर रही है कि किसी को भी चोट न पहुंचे। फिलहाल यह सकारात्मक दिख रहा है। हम सभी एक टीम हैं। टनल के ऊपर 320 मीटर दूरी पर टीम ने ड्रिल के लिए स्थान चुना है। यहां से 89 मीटर गहराई तक ड्रिल होगी। सिलक्यारा सुरंग में छह इंच का एक अतरिक्त पाइप (शेष पृष्ठ 8 पर)

श्रमिकों के रिश्तेदारों की यात्रा का खर्च उठाएगी सरकार

देहरादून। उत्तराखंड सरकार उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग में पिछले एक सप्ताह से भी अधिक समय से फंसे 41 श्रमिकों के रिश्तेदारों की यात्रा, भोजन और आवास का खर्च वहन करेगी। सुरंग में फंसे हुए श्रमिकों को जल्द निकाले जाने का आश्वासन उनके परिवारों को देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि अधिकारियों को फंसे हुए श्रमिकों के रिश्तेदारों के साथ संपर्क में रहने के लिए कहा गया है, ताकि उन्हें किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उन लोगों का खर्च वहन करेगी जो श्रमिकों का हालचाल जानने के लिए सिलक्यारा आना चाहते हैं।

मोदी ने धामी से की बात

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिलक्यारा सुरंग में एक सप्ताह से अधिक समय से फंसे 41 श्रमिकों को निकालने के लिए जारी बचाव अभियान का जायजा लेने के लिए सोमवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि आवश्यक बचाव उपकरण और संसाधन केंद्र द्वारा और केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि फंसे हुए श्रमिकों का मनोबल बनाए रखना आवश्यक है। यह तीसरी बार है (शेष पृष्ठ 8 पर)

प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

मोहम्मद शमी को गले लगाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अहमदाबाद में ड्रेसिंग रूम में पहुंचे पीएम

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रिकेट विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त मिलने के बाद निराशा में डूबे भारतीय टीम के खिलाड़ियों का ड्रेसिंग रूम में जा कर हौसला बढ़ाया।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां खेले गये फाइनल मैच को देखने के लिए मोदी यहां पहुंचे थे। भारत के 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाकर जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने 137 रन बनाए। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने प्रधानमंत्री के साथ ड्रेसिंग रूम में बिताये पल को एक्स पर साझा किया। शमी ने मोदी के साथ तस्वीर साझा कर लिखा, दुर्भाग्यवश, कल हमारा दिन नहीं था। मैं पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारी टीम और मेरा समर्थन करने के लिए सभी भारतीयों को धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से ड्रेसिंग रूम में आने और हमारा उत्साह बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। हम वापसी करेंगे। इस तस्वीर में शमी का सिर मोदी के कंधे पर है और प्रधानमंत्री उनकी हौसला अफजाई कर रहे हैं।

जडेजा ने मोदी के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, हमारा टूर्नामेंट बहुत अच्छा था, लेकिन कल हम हार गए। हम सभी दुःखी हैं, लेकिन लोगों के समर्थन से हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कल ड्रेसिंग रूम में आना विशेष और बहुत प्रेरणादायक था। मोदी ने इससे पहले भारतीय टीम की सराहना की और कहा कि देश उनके साथ खड़ा है और हमेशा खड़ा रहेगा। प्रधानमंत्री (शेष पृष्ठ 8 पर)

भारत की हार से आहत युवक ने की आत्महत्या

बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल)। भारत के एक दिवसीय क्रिकेट के विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में 23 वर्षीय युवक ने कथित तौर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब 11 बजे हुयी। मरने वाले युवक की पहचान राहुल लोहार के तौर पर की गयी है। राहुल के एक रिश्तेदार उत्तम सूर ने बताया कि वह इलाके में एक कपड़े की दुकान पर काम करता था और फाइनल मैच देखने के लिए उसने छुट्टी ली थी। भारत की हार से दुःखी होकर उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। उसके जीवन में ऐसी कोई समस्या नहीं थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

संक्षिप्त

युवक ने मस्जिद में लगाई फांसी

सहारनपुर। सहारनपुर जिले के गंगोह थाना इलाके में एक मस्जिद में एक युवक ने सोमवार को कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि शामली का आमिर (26) जिले के खानपुर गुर्जर में अपने भाई के यहां आया हुआ था। आज सुबह आमिर ने मोहल्ला कुरैशियान स्थित एक मजिस्द में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। जब सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो पता चला कि आमिर ने सबसे पहले मस्जिद में आकर नमाज पढ़ी और फिर सीढ़ी की रस्सी को खोलकर उसी रस्सी से फांसी लगा ली।

सीमा पर सात दिन में आठ ड्रोन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक कृषि क्षेत्र से सीमा सुरक्षा बल ने सोमवार को एक ड्रोन बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों द्वारा पिछले सात दिनों के दौरान पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से जब्त किया गया यह आठवां ड्रोन है, जिसका उपयोग सीमा पार से हेरोइन की तस्करी के लिए किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि जवानों ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सोमवार को तरनतारन के महदीपुर गांव के बाहरी इलाके में पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक खेत से चीन निर्मित क्वाडकॉप्टर बरामद किया गया। बीएसएफ ने बताया कि उन्होंने पिछले सप्ताह के दौरान आठ पाकिस्तानी ड्रोन और पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

चंद्रबाबू नायडू को नियमित जमानत

अमरावती। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को कौशल विकास निगम घोटाला मामले में तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को नियमित जमानत दे दी। अदालत ने नायडू की चार सप्ताह की अंतरिम चिकित्सा जमानत को पूर्ण जमानत में बदल दिया और पूर्व मुख्यमंत्री को नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा, आरोपी को 31 अक्टूबर को दी गई अंतरिम जमानत को पूर्ण कर दिया गया है और याचिकाकर्ता को पहले से ही जमा किए गए जमानत बांड पर नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया जाता है।

आग लगने से 35 नौकाएं जलकर खाक

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक घाट में आग लगने से मछली पकड़ने वाली कम से कम 35 नौकाएं जलकर खाक हो गई। पुलिस ने उन 10-15 लोगों की तलाश शुरू कर दी है, जो कथित रूप से नौका पर सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात बालाजी की एक नौका में आग लग गई। सोमवार सुबह चार बजे आग पर काबू पा लिया गया। दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सहायक पुलिस आयुक्त बी मोसेस पॉल ने कहा कि पुलिस ऐसे 10-15 लोगों की भूमिका की जांच कर रही है, जिन्होंने लेनदेन को लेकर झगड़ा किया था।

हाईकोर्ट ने 48 घण्टे में सरकार से मांगा जवाब

सुरंग मामले में जनहित याचिका पर हुई सुनवाई

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने उत्तरकाशी के सिलक्यारा में टनल के अंदर फंसे मजदूरों को शीघ्र बाहर निकालने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

मामले की सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमारी तिवारी व न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खण्डपीठ ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए राज्य सरकार से 48 घण्टे के भीतर जवाब पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 22 नवम्बर की तिथि नियत की है। कोर्ट ने मिनिस्ट्री ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, सचिव लोक निर्माण विभाग, केंद्र सरकार, नेशनल हाइवे विकास प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने को कहा है। मामले के अनुसार समाधान एनजीओ कृष्णा विहार देहरादून ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में पिछले 12 नवम्बर से मजदूर टनल के अंदर फंसे हुए हुए हैं, परन्तु सरकार उनको अभी तक बाहर निकालने में असफल साबित हुई है। सरकार व कार्यदायी संस्था टनल में फंसे लोगों की जान से खिलवाड़ कर रही हैं। हर दिन उनको निकालने के लिए नए-नए जुगाड़ खोजे जा रहे हैं। जिन लोगों की वजह से इन मजदूरों की जान खतरे में है, उन पर आपराधिक मुदकमा दर्ज किया जाए और पूरे प्रकरण की जांच एसआईटी से कराई जाए। जनहित (शेष पृष्ठ 8 पर)

मणिपुर में फिर हिंसा, दो की मौत

दो समूहों के बीच गोलीबारी, राज्यपाल से मिला दस दलों का प्रतिनिधिमंडल

आदिवासी संगठन ने कांगपोकपी जिले में की बंद की घोषणा

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सोमवार को हिंसा की एक ताजा घटना में दो विरोधी समूहों के बीच गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

गोलीबारी हारोथेल और कोब्शा गांवों के बीच एक स्थान पर हुई, हालांकि पुलिस अभी तक इस बारे में स्पष्ट नहीं है कि गोलीबारी की घटना की वजह क्या थी। एक आदिवासी संगठन ने दावा किया कि कुकी-जो समुदाय के लोगों पर बिना उकसावे के हमला किया गया और जिले में बंद घोषित कर दिया गया। मई की शुरुआत में पूर्वोत्तर राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र में ग्रामीणों के बीच गोलीबारी की कई घटनाएं हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है और घटना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी जारी है। कुकी-जो समुदाय के लोगों पर अकारण हमले की निंदा करते हुए कांगपोकपी की कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने कांगपोकपी जिले में आपातकालीन बंद की घोषणा की। सीओटीयू ने एक बैठक में यह भी मांग की कि सरकार आदिवासियों के लिए अलग प्रशासन की व्यवस्था करे। अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को आयोजित आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद भड़की हिंसा में अब तक 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर की आबादी में मेइती लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नगा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

उधर दस राजनीतिक दलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गत दिवस मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और उनसे राज्य में शांति बहाली तथा हालात सामान्य करने के लिए संघर्षरत दो समुदायों के बीच शांति वार्ता की पहल का अनुरोध किया। राजभवन ने एक बयान में यह जानकारी दी। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह के नेतृत्व में 10 दलीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा गया है कि केंद्र विशेष तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बिना राज्य में शांति बहाल नहीं की जा सकती। ज्ञापन में दो समुदायों के बीच शांति वार्ता के लिए तत्काल पहल की मांग की गई, ताकि जारी संघर्ष का स्थायी समाधान निकाला जा सके। इससे पहले मणिपुर में कुकी-जो जनजातीय समूह के प्रमुख संगठन आईटीएलएफ (शेष पृष्ठ 8 पर)

यूपी में हलाल सर्टिफिकेट वाले प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध

सरकार के आदेश से छिड़ी नई बहस

खास समुदाय में अपने प्रोडक्स की बिक्री के लिए हलाल सर्टिफिकेट का इस्तेमाल कर रही कंपनियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने हलाल सर्टिफिकेट वाले प्रोडक्ट्स को पूरी तरह से बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके बाद से बहस चल पड़ी है कि क्या खाने के किसी भी सामान को यूं ही बैन कर देना जायज है? चर्चाओं में यह भी कहा जा रहा है कि जायज और नाजायज का फैसला करना अदालत और सरकार का काम है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने ऐसे प्रोडक्ट्स को पूरे यूपी में बैन कर दिया है।

हलाल अरबी भाषा का शब्द है। इसका हिंदी में मतलब होता है स्वीकार्य। कुरान शरीफ में भी दो अरबी शब्दों का जिक्र है-हलाल और हराम। हलाल यानी कि इस्लाम धर्म के हिसाब से जो स्वीकार्य हो, जिसकी इजाजत हो और हराम यानी कि जो अस्वीकार्य हो, जिसकी इजाजत नहीं हो। अब धार्मिक लिहाज से तो बहुत सी चीजें हलाल और हराम हो सकती हैं, लेकिन आम बोल-चाल की भाषा में भी और व्यावहारिक तौर पर भी हलाल शब्द को खाने के साथ नत्थी कर दिया गया है, यानी कि हलाल की परिभाषा को इस्लाम के मुताबिक क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए, तक सीमित कर दिया गया है। जो भी मांस हलाल है, उसके बारे में भी साफ-साफ बताना पड़ता है कि वो मांस किस जानवर का है, उसे कैसे मारा गया है और फिर उसके मीट को आखिर प्रोसेस कैसे किया गया है। हालांकि अगर सिर्फ भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो हलाल शब्द को जानवरों के मारने के तरीके के तौर पर देखा जाने लगा है। हलाल तरीके से जानवरों का कत्ल करने का मतलब है कि जानवर की गर्दन की नस पर एक कट लगे, ताकि उसका पूरा खून बाहर निकल जाए। हलाल मीट के लिए जानवर का जिंदा होना अनिवार्य शर्त है। जानवरों के कत्ल के दौरान शाहदा पढ़ा जाता है, जो अरबी का एक शब्द है, जिसका मतलब अल्लाह में यकीन रखना है। इसमें भी सबसे बड़ी बात है दवाइयों की। (शेष पृष्ठ 8 पर)

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली। घरेलू उड़ानों पर हवाई यात्रियों की संख्या रविवार यानी 19 नवंबर को 4,56,910 पर पहुंच गई, जो एक नया रिकॉर्ड है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार शनिवार को भी हवाई यात्रियों की संख्या 4,56,748 के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंची थी। नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर लिखा, कोविड महामारी के बाद भारत की घरेलू विमानन क्षेत्र के कायापलट की कहानी न केवल जबर्दस्त रही है, बल्कि प्रेरणादायक भी है। सकारात्मक दृष्टिकोण, प्रगतिशील नीतियां और यात्रियों के बीच गहरा विश्वास इसे हर उड़ान, हर दिन नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। रविवार को 4,56,910 यात्रियों ने 5,958 घरेलू उड़ानों से सफर किया। यह संख्या पिछले साल 19 नवंबर को दर्ज 3,93,391 यात्रियों और 5,506 उड़ान गतिविधियों से काफी अधिक है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आंकड़े साझा करते हुए सोमवार को कहा कि देश को दुनिया का सबसे बड़ा विमानन बाजार बनने से कोई नहीं रोक सकता।

कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र का मनमाना रवैया

ऐसे रवैये से अच्छा संदेश नहीं जाता

चुनिंदा तरीके से नियुक्ति करने से खड़ी होगी समस्या, लोगों की वरिष्ठता प्रभावित

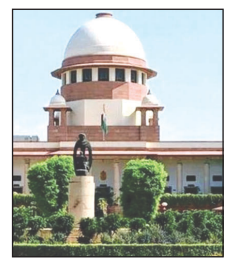

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के स्थानांतरण के लिए कॉलेजियम की सिफारिश को मंजूरी देने में केंद्र के रवैये को मनमाफिक तरीके से चुनाव वाला बताया और कहा कि इससे अच्छा संदेश नहीं जाता।

न्यायालय ने कहा कि कॉलेजियम ने जिन 11 न्यायाधीशों के स्थानांतरण की सिफारिश की है, उनमें से पांच का स्थानांतरण कर दिया गया है लेकिन छह के मामले अभी लंबित हैं। इनमें चार गुजरात उच्च न्यायालय से और एक-एक इलाहाबाद तथा दिल्ली उच्च न्यायालय से हैं। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के लिए हाल में जिन नामों की सिफारिश की गई है, उनमें से आठ को मंजूरी नहीं दी गई है और इनमें से कुछ न्यायाधीश नियुक्त किये गये न्यायाधीशों से वरिष्ठ हैं। शीर्ष न्यायालय के कॉलेजियम में सदस्य न्यायमूर्ति कौल ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी से कहा, मेरी जानकारी के अनुसार आपने पांच न्यायाधीशों के तबादले के लिए आदेश जारी किये हैं। छह न्यायाधीशों के लिए आपने आदेश जारी नहीं किया है। इनमें से चार गुजरात के हैं। पिछली बार भी मैंने कहा था कि इससे अच्छा संदेश नहीं जाता। न्यायाधीश ने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा, पिछली बार भी मैंने इस बात पर जोर दिया था कि चुनिंदा तरीके से स्थानांतरण (शेष पृष्ठ 8 पर)

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ संपन्न

पटना। बिहार के सबसे लोकप्रिय त्योहार छठ के चौथे और अंतिम दिन सोमवार को व्रतियों ने गंगा समेत अन्य नदियों और तालाबों के किनारे पानी में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण किया। इसी के साथ भगवान भास्कर की आराधना के प्रति समर्पित यह चार दिवसीय महापर्व संपन्न हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के एक अणे मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर बनाए गए एक जल कुंड में परिवार के करीबी सदस्यों, जिन्होंने व्रत रखा था, के साथ उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। नहाय-खाय के साथ शुक्रवार को शुरू हुए सूर्य उपासना के चार दिवसीय इस महापर्व के दूसरे दिन खरना के बाद व्रतियों का शुरू हुआ 36 घंटों का निर्जला उपावास रविवार की शाम अस्ताचलगामी और सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण के साथ पूरा हो गया।

चार दिवसीय इस महापर्व के दौरान छठी मैया के भक्तिमय गीतों की गूंज सुनी गई। छठ पर्व के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं प्राप्त हुई।

काम के आधार पर नहीं, धर्म के नाम पर मांगे जा रहे वोट

भाजपा के ज्यादातर नेता चुनाव के समय करते हैं धर्म और जाति की बात : प्रियंका

- जागरूकता के साथ और काम के आधार पर मतदान करने की अपील
- गरीबों से खींचना और उद्योगपतियों को सींचना भाजपा की नीति

जयपुर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि जो लोग धर्म या जाति के नाम पर वोट मांगते हैं, वे अपने काम के आधार पर वोट नहीं मांग सकते।

इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के सारे नेता एवं कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरे हैं, जबकि भाजपा यहां पूरी तरह बिखरी हुई है। प्रियंका ने विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के तहत सोमवार को केकड़ी तथा जहाजपुर में चुनावी जनसभा में यह बात की। अपनी पहली सभा में मुख्य विपक्षी दल भाजपा पर एक तरह से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, भाजपा के ज्यादातर नेता धर्म एवं जाति की बात करते हैं। तो आपको सोचना पड़ेगा कि धर्म की बात, जाति की बात चुनाव के समय क्यों होती है? जो नेता चुनाव के समय यह बात कर रहा है और कह रहा है कि धर्म या जाति के आधार पर वोट दो, तो इसका मतलब है कि वह काम के आधार पर वोट नहीं मांग सकता।

उन्होंने कहा, जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां उनके नेता सोचते हैं कि उन्हें काम करने की कोई जरूरत नहीं, क्योंकि वे काम के आधार पर वोट मांगने नहीं आते। वे तो धर्म के आधार पर वोट मांगने आते हैं। वे सोचते हैं कि हमें तो वोट मिलना ही है। हम धर्म की अच्छी-अच्छी बातें कर लेंगे, लोग हमारी बात मान जाएंगे, लोगों के जज्बात हमसे जुड़ जाएंगे, तो काम करने की क्या जरूरत है? यह भाजपा के नेताओं की आदत बन गई है। उन्होंने लोगों से जागरूकता के साथ और सरकार के काम के आधार पर मतदान करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को तारानगर में चुनावी सभा में आरोप लगाया था कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के पांच साल एक दूसरे को रन आउट करने में बीत गए। जो बचे हैं वे महिलाओं और अन्य मुद्दों पर गलत बयान देकर हिट विकेट किये जा रहे हैं। इस पर पलटवार करते हुए प्रियंका ने कहा कि मोदी की बातों में वजन नहीं हैं। उन्होंने कहा, हमारे सारे नेता, हमारे सारे कार्यकर्ता एकजुट होकर, मजबूत बनकर रणभूमि में उतरे हुए हैं। बल्कि इनको अपनी भाजपा की स्थिति देखनी चाहिए। बिखरी हुई है इनकी पार्टी। हिट विकेट तो राजस्थान में भाजपा वाले हैं। प्रियंका ने कहा, वे (मोदी) कह रहे हैं कि हम एक-दूसरे को रन आउट करते हैं, जबकि हिट विकेट इनकी पार्टी है। इनकी पार्टी पूरी तरह से बिखरी हुई है। इनके जो बड़े-बड़े नेता हैं, उनको इन्होंने परे कर दिया है। किसी को (शेष पृष्ठ 8 पर)

महंगाई के लिए केंद्र की आलोचना

प्रियंका ने महंगाई के लिए केंद्र की भाजपा सरकार पर बरसते हुए कहा, इनकी जिम्मेदारी थी कि ये पेट्रोल-डीजल के दाम कम करें। इनकी जिम्मेदारी थी कि ये सिलेंडर के बढ़ते हुए दाम रोकें। इन्होंने यह नहीं किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महंगाई इतनी बढ़ा दी है कि राज्य सरकार को महंगाई राहत कैंप लगाने पड़ रहे हैं। किसानों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि किसान लगभग एक साल तक आंदोलन करते रहे, सड़कों पर बैठे रहे, एक मंत्री के बेटे ने किसानों को कुचला, लेकिन मोदी सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास किसानों के लिए पैसा नहीं है, लेकिन नए संसद भवन पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए।